

ब्रज रानी कृपा कीजे रज रानी कृपा कीजे



ब्रज रानी कृपा कीजे,
रज रानी कृपा कीजे,
ब्रज माहि किसी कोने,
मोहे धूलि बना दिजे।bd।

[देखे – करुणामयी कृपा कीजिये।](#)

संत चरण रज युगल चरण रज,
रज में मिल रज लिपटु मैं रज,
चरणों में मिला लीजे,
ब्रज वास दिला दिजे,
ब्रज माहि किसी कोने,
मोहे धूलि बना दिजे।bd।

रज कण कण में वास युगल का,
आनंद भरा एहसास युगल का,
कुंज यमुना पहुँचा दिजे,
आननद दिला दिजे,
ब्रज माहि किसी कोने,
मोहे धूलि बना दिजे।bd।

‘गोपाली’ पागल की है लाली,
जो लाली बरसाने वाली,
रस केली चखा दिजे,
बरसाना बसा लीजे,
मोहे पास बिठा लीजे,
ब्रज माहि किसी कोने,
मोहे धूलि बना दिजे।bd।

ब्रज रानी कृपा कीजे,
रज रानी कृपा कीजे,
ब्रज माहि किसी कोने,
मोहे धूलि बना दिजे।bd।

